सुचिता

सुचिता का अर्थ है पवित्र होने की अवस्था ।
आस्था, पुण्य कार्यों , या स्वच्छ सोच के माध्यम से स्वयं को शुद्ध बनाना.....
आध्यात्म से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता इस अवस्था को प्राप्त करने का और यही उद्देश्य है सुचिता समिति का.....

आध्यात्मिकता क्या है?

आध्यात्म का अर्थ है अपने आप को जानना

पूरा जानना

जो ज़रा भी जानने को उत्सुक है
वो आध्यात्मिक है
बस ज़रा सा आध्यात्मिक है

श्री प्रशांत

आध्यात्म क्या नहीं है!!!!!!

यह आडम्बर नहीं है, ना ही कर्म कांडो का नाम आध्यात्म है. यह किसी धर्म विशेष से संबंधित नहीं है

सुचिता का उद्देश्य

अपने नाम के अनुरूप "सुचिता" समिति जीवन के अध्यात्मिक विकास को जीवन में दयालुता, सद्भावना और ईमानदारी के सकारात्मक गुणों की वृद्धि करने के प्रयासों से जोड़ना चाहती है।

समिति युवा और बाल वर्ग पर विशेष ध्यान देना चाहती है ताकि उनके जीवन में सही समय पर आध्यात्मिकता का सही बोध जागृत हो सके।

उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा

प्रतिवर्ष ३ से ७ दिनों के निम्नलिखित विषयों से सम्बंधित शिविर लगाए जायेंगे।

- ध्यान शिविर
- विपासना शिविर
- योग शिविर
- भक्ति शिविर
- सेवा शिविर

शिविरों की संख्या उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया और भागीदारी होने पर निर्भर।

कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं के आयोजन

- कार्यशालायें तथा गोष्ठियां
- समाजसेवी एवं प्रबुद्ध व्यक्तियों के व्याख्यान
- युवा और बाल वर्ग का विशेष ध्यान
- पौराणिक गाथाओं पर आधारित नाट्य मंचन
- प्रश्नावली , अन्ताक्षरी
- भजन
- साँस्कृतिक परिधानों की फैंसी ड्रेस

kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com kamalkapoor.com

अध्यात्म के प्रसार और सामाजिक सेवा से जुडी कुछ महान विभूतियों को संगठन शत शत नमन करता है |

- स्वामी विवेकानंद
- श्री श्री रविशंकर
- ईशा सद्गुरू
- बाबा रामदेव
- आचार्य रजनीश (ओशो)
- बाबा आमटे
- सावित्री बाई फुले
- जिद्दू कृष्णमूर्ति
- ब्रह्मकुमारी

धन्यवाद सहित

कलावती जाजू
शोभा गाँधी, पुष्पा राठी, श्याम हेड़ा,
मंगल मानधनी, रंजना भट्टड़